No. of Printed Pages : 3

एम.एच.डी.-15

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम.ए. हिन्दी)

सत्रांत परीक्षा

00455

जून, 2018

एम.एच.डी.-15 : हिन्दी उपन्यास-2

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रथम प्रश्न अनिवार्य है । शेष प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

---

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं दो की संदर्भ और प्रसंग-सहित व्याख्या कीजिए : *2×10=20*

(क) उस रात और अगले दिन तारा का मन बहुत भारी रहा । सोचती रही, उसे केन्द्र बनाकर अच्छी-ख़ासी घटना हो गयी है । बात फैल जाती तो मुसीबत हो जाती । कोई पुरुष चाहने लगे, स्त्री की अच्छी-ख़ासी मुसीबत है । किसी स्त्री को कोई चाहने लगे तो बदनामी स्त्री की है । ... स्त्री-पुरुष अपराध करें तो दंड स्त्री भोगे । ... परीक्षा हो तो वह भी स्त्री की हो ।

(ख) मत देखो/दौड़ चलो/छोड़ चलो
इस पानी को/इस धरती को
जिसने हर मौसम/हर बहार में
सूरमाओं की पनीरी उगाई थी
जिसने/हाड़ मांस के इंसानों में
मेहनत करने/और ज़िंदगी को
जी भर कर प्यार करने की
ललक जगाई थी/लौ लगाई थी

(ग) बस, माषिक मुल्ला भी तुम्हारा ध्यान उस अथाह पानी की ओर दिला रहे हैं जहाँ मौत है, अँधेरा है, कीचड़ है, गन्दगी है, या तो दूसरा रास्ता बनाओ नहीं तो डूब जाओ । लेकिन आधी इंच ऊपर जमी बरफ़ कुछ काम न देगी । एक ओर नए लोगों का यह रोमानी दृष्टिकोण, यह भावुकता, दूसरी ओर बूढ़ों का यह थोथा आदर्श और झूठी अवैज्ञानिक मर्यादा । सिर्फ़ आधी इंच बरफ़ है, जिसने पानी की ख़ूँख़ार गहराई को छिपा रखा है ।

(घ) हमारे इतिहास में – चाहे युद्धकाल रहा हो, या शांतिकाल – राजमहलों से लेकर खलिहानों तक गुटबंदी द्वारा 'मैं' को 'तू' और 'तू' को 'मैं' बनाने की शानदार परंपरा रही है । अंग्रेज़ी राज में अंग्रेज़ों को बाहर भगाने के झंझट में कुछ दिनों के लिए हम उसे भूल गए थे । आज़ादी मिलने के बाद अपनी और परंपराओं के साथ इसको भी हमने बढ़ावा दिया है । अब हम गुटबंदी को तू-तू, मैं-मैं, लात-जूता, साहित्य और कला आदि सभी पद्धतियों से आगे बढ़ा रहे हैं । यह हमारी सांस्कृतिक आस्था है ।

2. जयदेव पुरी की चारित्रिक विशेषताओं का विवेचन कीजिए । *10*

3. 'ज़िन्दगीनामा' उपन्यास की भाषा-शैली का विश्लेषण कीजिए । *10*

4. 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' उपन्यास की कथावस्तु का उल्लेख करते हुए उसके महत्त्व पर प्रकाश डालिए । *10*

5. 'राग दरबारी' के पात्र लंगड़ के संघर्ष को रेखांकित कीजिए । *10*

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** पर टिप्पणियाँ लिखिए : *2×5=10*

   (क) 'राग दरबारी' का औपन्यासिक शिल्प

   (ख) 'सूरज का सातवाँ घोड़ा' की भाषा

   (ग) 'ज़िन्दगीनामा' उपन्यास का कथ्य

   (घ) 'झूठा-सच' और देश-विभाजन